TheHitavada

Jabalpur City Line | 2020-03-17 | Page- 5

Certificate course conducted under GSDP ends

■ Staff Reporter

Guest giving away certificates to participants of Green Skill Development Programme.

A TWENTY-DAY certificate course conducted under Green Skill Development Programme (GSDP), sponsored by Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), Government of India, New Delhi concluded at Tropical Forest Research Institute, Jabalpur, on Monday.

The objective of the course on Value Addition and Marketing of Non-Timber Forest Produce (NTFP) (plant origin): NTFP products and Medicinal Plants was to hone skills of NTFP cultivation, harvesting, processing and marketing in the unemployed youth.

Pradeep Vasudev, APCCF, Jabalpur and chief guest of the valedictory session emphasized on the importance of increasing demand and popularity of Non-Wood Forest Products and thereby escalating need to train youths about proper cultivation, sustainable harvesting, marketing and management of the same. He appreciated the zeal of the participants and commended TFRI for contributing in the field of research and providing conclusive course on NTFPs.

Dr. Hari Om Saxena, training director briefed about the learnings of the programme. He presented elaborately on the profile of the resource persons, lectures and various field visits conducted during the training.

Finally, the dignitaries distributed certificate to the heterogeneous group of 20 participants including progressive farmers and youths for participating in this course on NTFP.

Dr Nanita Berry, Dr Geeta Joshi, Dr S Sarvanan, Dr S Biswas, S K Choubey, Pranav Dhar and Ganesh Pawar were also present at the valedictory along with other scientists and officers of TFRI.

नईदुनिया
जबलपुर, मंगलवार 17 मार्च 2020

जबलपुर सिटी आसपास

वन उत्पाद व औषधीय पौधों की खेती करने 20 युवाओं ने लिया प्रशिक्षण

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में अकाष्ठ वन उत्पाद और औषधीय पौधों की खेती करने का 20 युवाओं ने प्रशिक्षण लिया। संस्थान प्रशासन ने सोमवार को इस 20 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स के समापन कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों के लिए प्रमाण-पत्र वितरित किए।

टीएफआरआई में अकाष्ठ वन उपज के मूल्य संवर्धन और विपणन, अकाष्ठ वन उत्पादों और औषधीय पौधों के संबंध में युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। यह पाठ्यक्रम ग्रीन स्किल डेव्हलपमेंट प्रोग्राम (जीएसडीपी) के तहत संचालित और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ सीसी) द्वारा प्रायोजित किया गया।

मान्य सत्र के मुख्य अतिथि प्रदीप वासुदेव ने युवाओं को अकाष्ठ वन उत्पादों की बढ़ती मांग व लोकप्रियता के बारे में बताया। साथ ही इनकी उचित खेती, विनाशहीन विदोहन, विपणन और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित किया।

प्रशिक्षण सत्र के समापन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बांटे प्रमाण-पत्र। ● नईदुनिया

घटनाओं की जानकारी दी: प्रशिक्षण निदेशक डॉ. हरिओम सक्सेना ने पाठ्यक्रम की घटनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने व्याख्यान और प्रशिक्षण में शामिल विभिन्न दौरे और संसाधन व्यक्तियों के बारे में प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम के अंत में 20 प्रगतिशील किसानों व युवाओं के लिए प्रमाण-पत्र बांटे गए। इसके साथ ही यह सत्र समाप्त हुआ।

ये रहे शामिल: कार्यक्रम में डॉ. ननिता बेरी, डॉ. गीता जोशी, डॉ. एस सरवनन, डॉ. एस विश्वास, एसके चौबे, प्रणव धर, गणेश पवार आदि शामिल रहे।

राज एक्सप्रेस | महानगर
मंगलवार, 17 मार्च, 2020
www.rajexpress.co
5
जबलपुर

अकाष्ठ वन उत्पादों और औषधीय पौधों पर प्रतिभागियों को मिला प्रशिक्षण

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में सर्टिफिकेट कोर्स का समापन

जबलपुर(आरएनएन)। उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में अकाष्ठ वन उपज के मूल्य संवर्धन और विपणन, अकाष्ठ वन उत्पादों और औषधीय पौधों पर बीस दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स का समापन हुआ। पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले प्रगतिशील किसानों और युवाओं को वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा ने 20 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (जीएसडीपी) के तहत संचालित और पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओइएफ-सीसी) भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस पाठ्यक्रम में प्रदीप वासुदेव एपीसीसीएफ और मान्य सत्र के मुख्य अतिथि ने अकाष्ठवन उत्पादों की बढ़ती मांग और लोकप्रियता के बारे में बताते हुए युवाओं को इनकी उचित खेती विनाश विहीन विदोहन विपणन और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रशिक्षण निदेशक डॉ. हरिओम सक्सेना ने पाठ्यक्रम की घटनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने व्याख्यान और प्रशिक्षण में शामिल विभिन्न दौरे और संसाधन व्यक्तियों के बारे में विस्तृत रूप से प्रस्तुति दी। इस अवसर पर डॉ. ननिता बेरी डॉ. गीता जोशी डॉ. एस सरवनन डॉ. एस. विश्वास एसके चौबे प्रणव धर और गणेश पवार भी टीएफआरआई के अन्य वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।